Roll. No. : .....

BAJY (N)-120

First Semester Examination, 2024 (June)

[जन्मकुण्डली निर्माण]

Time : 2 Hours] **[Maximum Marks : 70**

नोट : यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (2) खण्डों (क) तथा (ख) में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड (क) में पाँच (5) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

2 × 19 = 38

1. स्वकल्पित चालन द्वारा ग्रहस्पष्ट साधन का सोदाहरण वर्णन कीजिये।

2. मन्दस्पष्ट एवं स्पष्ट ग्रह में अन्तर स्पष्ट कीजिये।

3. खखडघ्नं भयातं भभोगोद्धृतं ..... श्लोक पूर्ति करते हुए सोदाहरण चन्द्रस्पष्ट करें।

4. चर से आप क्या समझते है? चरसंस्कार कैसे किया जाता है?

5. पलभा किसे कहते है? पलभा से चरखण्ड साधन विधि बताइये।

अथवा

जन्मकुण्डली का महत्व लिखिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड (ख) में आठ (8) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (8) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

4 × 8 = 32

1. अयनांश पर टिप्पणी लिखिये?

2. नवग्रहों का लग्न भाव में फल लिखिये?

3. काशी की पलभा 5/45 है तो चरखण्ड साधन कीजिये।

4. ग्रहसाधन का संक्षिप्त वर्णन कीजिये?

5. इष्टकाल साधन के नियमों का लेखन कीजिये?

6. दशम लग्न से क्या तात्पर्य है?

7. जन्माक्षर निर्णय क्या है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

8. फलसंस्कार से आप क्या समझते है?

****